an>

Title: Regarding alleged irregularities in implementation of various schemes under MPLADS.

श्री दुष्यंत चौटाला (हिसार) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया। मैं आज अपने लोकसभा क्षेत्र के साथ हर सांसद के क्षेत्र से संबंधित एमपीलैंड का मुद्दा आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं। मेरे द्वारा पिछले डेढ़ साल में 600 से ज्यादा कार्य के एस्टीमेट बनने के लिए नोडल अफसरों को लिखा गया लेकिन मेरे पास केवल 275 के ही एस्टीमेट बनकर आए हैं। मेरे लोकसभा क्षेत्र में तीन जिले संबंध रखते हैं, नोडल अफसर से अलग जो जिले है, वहां मैंने आठ कार्यों के लिए सूचित किया लेकिन इनमें से छः कार्य आज तक सूचित नहीं हुए हैं। एक तरफ केंद्र सरकार द्वारा एमपीलैंड फंड से हम पैसे देते हैं और दूसरी ओर अफसरों की कोताही के कारण निरंतर डिले किया जाता है।

महोदया, आपके संज्ञान में यह मुद्दा है कि जब हम ऑन लाइन पोर्टल देखते हैं, तो अनेक बार कई एमपीज़ का कार्य शुरु भी नहीं होता है। यहां माननीय समिति के वेयरमैन डिप्टी स्पीकर साहब बैठे हैं, मैं मांग करता हूं कि इस कानून परिवर्तन किया जाए ताकि एमपीलैंड में जैसे ही एमपी द्वारा निर्धारित कार्य शुरु हो, अधिकारी उसे तुरंत पूरा करके यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट भेजे।

माननीय अध्यक्ष :

श्री अजय मिश्रा टेनी,

श्री शिव कुमार उदासि,

श्री नाना पटोले,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

श्री राजीव सातव,

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

श्री केशप्रसाद मौर्य को श्री दुष्यंत चौटाला द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस विषय में सभी आपके साथ हैं।